ई-संदेश

30 अक्टूबर, 2025 | अंक 177

सात दिन - सात पृष्ठ

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से 25 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी।

- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा गाजियाबाद में यशोदा मेडिसिटी के उद्घाटन कार्यक्रम में रक्षामंत्री भारत सरकार श्री राजनाथ सिंह जी के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने भागीदारी की
- पर्व और त्योहार हमारी सामाजिक एकता, आध्यात्मिक उन्नयन और भारत की प्राचीन विरासत के प्रतीक : मुख्यमंत्री
- अयोध्या का विकास भव्यता, आस्था और आधुनिकता का समन्वित रूप होना चाहिए : मुख्यमंत्री
- कबीरदास की परम्परा में अनेक संत आज भी देश व दुनिया में अपने ज्ञान के माध्यम से समाज का मार्गदर्शन कर रहे : मुख्यमंत्री
- सिख गुरुओं का भारत की सनातन परम्परा में योगदान अविस्मरणीय व अभिनन्दनीय : मुख्यमंत्री
- वर्तमान परिदृश्य में वित्तीय अधिकारों का पुनर्निर्धारण आवश्यक: मुख्यमंत्री
- विशिष्ट मुलाकातें

नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा गाजियाबाद में यशोदा मेडिसिटी के उद्घाटन कार्यक्रम में रक्षामंत्री भारत सरकार श्री राजनाथ सिंह जी के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने भागीदारी की

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी ने 26 अक्टूबर, 2025 को जनपद गाजियाबाद में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस व 1200 बेड युक्त यशोदा मेडिसिटी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर रक्षामंत्री श्री राजनाथ सिंह जी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रपति जी ने कहा कि देश आज समग्र विकास की दिशा में तेजी से अग्रसर है। इस विकास में सरकार के साथ-साथ 140 करोड़ देशवासियों का भी योगदान है। नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। इस कार्य के लिए देश में हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। राष्ट्रपति जी ने कहा कि हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि कोई भी नागरिक अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। निजी क्षेत्र के अच्छे संस्थान इस दिशा में अमूल्य योगदान कर सकते हैं।

राष्ट्रपति जी ने कहा कि टी0वी0 उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत इस अस्पताल द्वारा बड़ी संख्या में मरीजों की देखभाल की जाती है। यह संस्थान सिकिल सेल एनीमिया के साथ-साथ जनजातीय क्षेत्र में होने वाली बीमारियों पर अनवरत कार्य कर रहा है। इस संस्थान द्वारा समाज व राष्ट्र सेवा के आदर्शों को प्राथमिकता दी जाती है।राष्ट्रपति जी ने कहा कि इस संस्थान में कैंसर के उपचार की आधुनिकतम सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी ने कहा कि हम ऐसे स्वस्थ व शक्तिशाली भारत की दिशा में अग्रसर हैं, जिसका सपना हमारे पूर्वजों ने देखा था। यशोदा समूह इस दिशा में सकारात्मक प्रयास कर रहा है। यह गौरव का विषय है कि यशोदा मेडिसिटी को दक्षिण एशिया में रोबोटिक सर्जरी के केन्द्र के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि राष्ट्रपति जी ने 140 करोड़ देशवासियों को शून्य से शिखर तक की यात्रा करने की प्रेरणा दी है। यह आयोजन एक अस्पताल का उद्घाटन मात्र नहीं है, इसके माध्यम से उत्तर प्रदेश को हेल्थ केयर की वर्ल्ड क्लास फैसिलिटी प्राप्त हुई है। यह हॉस्पिटल डॉक्टर, पैरामेडिकल व नर्सिंग स्टाफ और हेल्थ केयर से जुड़े अन्य कर्मचारियों सहित 05 हजार से अधिक लोगों के रोजगार का माध्यम बना है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विगत 11 वर्षों में भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में सकारात्मक दिशा में कदम बढ़ाए हैं। विगत साढ़े आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश में 42 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं। गोरखपुर व रायबरेली में एम्स सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में अनेक सुपर स्पेशियलिटी संस्थान स्थापित किए गए हैं। इनके माध्यम से प्रदेश के नागरिकों को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो रही हैं। आज यशोदा मेडिसिटी के रूप में उत्तर प्रदेश तथा एन0सी0आर0 के लोगों को उपहार प्राप्त हो रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में वर्ष 2022 में तृतीय ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के दौरान यशोदा मेडिसिटी के संस्थापकों ने इन्वेस्ट यू0पी0 के साथ एम0ओ0यू0 किया था। उस समय उन्होंने गाजियाबाद में यशोदा मेडिसिटी के नाम से सभी प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाओं से लैस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के निर्माण की इच्छा जतायी थी।संस्थान के संस्थापक श्री पी0एन0 अरोड़ा और उनकी टीम ने मात्र 03 वर्षों में ही यशोदा मेडिसिटी की स्थापना के कार्य को पूरा करके दिखाया है।उन्होंने कहा कि जिन स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए देश के नागरिकों को दुनिया के अन्य देशों में जाना पड़ता था, यशोदा मेडिसिटी के माध्यम से अब वह सुविधाएं यहां एक छत के नीचे उपलब्ध होंगी।

पर्व और त्योहार हमारी सामाजिक एकता, आध्यात्मिक उन्नयन और भारत की प्राचीन विरासत के प्रतीक : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 27 अक्टूबर, 2025 को यहाँ लखनऊ के लक्ष्मण मेला मैदान में छठ महापर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पर्व और त्योहार हमारी सामाजिक एकता, आध्यात्मिक उन्नयन और भारत की प्राचीन विरासत के प्रतीक हैं। यह पर्व और त्योहार केवल एक आयोजन या लोगों का जमाव मात्र ही नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ हमारे सम्बन्ध कैसे होने चाहिए, इसका माध्यम भी हैं। चार दिनों तक कठिन साधना के तृतीय दिवस में आज अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देकर हम सूर्य की आराधना से जुड़ रहे हैं। कल उदयाचल सूर्य को अर्घ्य देकर छठ का आयोजन पूर्णता को प्राप्त होगा और लोग अपने परिवार व लोक मंगल की कामना का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दियाऔर सभी को छठ महापर्व की बधाई दी।

मुख्यमंत्री जी ने भोजपुरी में अपना सम्बोधन करते हुए कहा कि 'छठ मईया के कृपा सबके उपर बनल रहे। सभन लोगन के परिवार में सुख समृद्धि अउर खुशहाली रहे, एकरे खातिर हम छठी माई से आशीर्वाद मांग तानी, जेतना लोग व्रत बाटे ओहु खातिर हम छठी माई से आशीर्वाद मांग तानी। कि सबके भखौती पूरा होखे। छठ मईया सबके सपने पूरा करें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज देश व दुनिया में जहां भी भोजपुरी समाज के लोग रह रहे हैं, वह छठ के पावन पर्व से जुड़ कर न केवल आत्मशुद्ध के माध्यम से लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने के इस कठिन यज्ञ से जुड़े हैं, बल्कि अनेक सामाजिक कार्यक्रमों के द्वारा सामाजिक और राष्ट्रीय एकता का सन्देश भी दे रहे हैं। दुनिया में इस तरह के आयोजन के उदाहरण मिलना कठिन हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि छठ के पूरे आयोजन में बहनों का योगदान सबसे कठिन व तपस्यापूर्ण होता है। पौराणिक काल से चली आ रही पर्व और त्योहारों की यह परम्परा, जो पहले केवल थोड़े क्षेत्र तक सीमित थी, आज वह बढ़ते-बढ़ते भारत के हर राज्य और जनपद तक पहुंच गयी है। हर जगह लोग इस आयोजन से जुड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि छठ महापर्व में सबसे कठिन साधना का पक्ष वह है, जब बहनें किसी नदी या सरोवर में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य देती हैं। यह एक महत्वपूर्ण क्षण होता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पूजा करते समय हम इस बात का ध्यान रखते हैं कि पूजा स्थल साफ-सुथरा और स्वच्छ हो। सूर्य इस लोक के देवता और लोक पिता हैं। जिस जल का अर्घ्य भगवान सूर्य को दिया जाता है, यदि वह शुद्ध न हो, तो क्या वह हमारी कामना पूरी करेंगे। इसलिए हमारा दायित्व है कि हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पूरे देश में वृहद पैमाने पर वर्ष 2014 से संचालित 'स्वच्छ भारत अभियान' से जुड़ें।स्वयंसेवी संगठनों तथा अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के सदस्यों ने भी छठ महापर्व के पूर्व स्वच्छता का अभियान चलाया। इसके अच्छे परिणाम सामने आए। गत वर्ष की तुलना में इस बार पूजन के लिए गोमती नदी में जल की मात्रा भी अच्छी है और शुद्धता भी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारा प्रयास है कि आने वाले एक से डेढ़ वर्षों में ऐसी स्थिति बना दी जाए, कि लखनऊ का एक भी सीवर व ड्रेनेज गोमती नदी में न गिरने पाए। गोमती नदी शुद्ध हो।अनेक जनपदों में कार्य प्रारम्भ भी हो गए हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम उन कारकों को पहचानें, जिनसे गंदगी होती है। सिंगल यूज़ प्लास्टिक, प्लास्टिक के कप तथा गिलास आदि का उपयोग न करें। नदी-नालों या जहां-तहां कूड़ा न फेंकें। हमें जल के किसी भी स्रोत को बाधित नहीं करना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के पदाधिकारियों तथा स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों का आह्वान करते हुए कहा कि कल प्रातः सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही, श्रद्धालुओं का आयोजन समाप्त हो जाएगा। लेकिन हमारा आयोजन तब तक सम्पन्न नहीं होना चाहिए, जब तक हम गोमती जी को स्वच्छ व निर्मल बनाकर फिर से इसे अन्य आयोजनों के लिए तैयार न कर दें। इसके लिए गोमती नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में स्वच्छता का एक बड़ा अभियान संचालित किया जाना चाहिए। हमें इस अभियान से जुड़ना होगा। यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य भी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कोई भी देश तब तक विकसित नहीं हो सकता, जब तक उसके नागरिक अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों का पालन न करें। यह कार्य केवल नगर निगम या स्थानीय प्रशासन का ही नहीं है। हर प्रदेशवासी की यह जिम्मेदारी है कि अपने आसपास स्थित नदी, नालों, सरोवर आदि की स्वच्छता और सुन्दरता बनाए रखने के लिए अपने स्तर पर प्रयास करें। यह प्रयास आने वाले समय में प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर व विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में मदद करेंगे। छठ का पर्व हमें यही प्रेरणा प्रदान कर रहा है।

अयोध्या का विकास भव्यता, आस्था और आधुनिकता का समन्वित रूप होना चाहिए : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 28 अक्टूबर, 2025 को यहां लखनऊ में एक उच्चस्तरीय बैठक में अयोध्या महायोजना-2031 से सम्बन्धित प्रस्तावों की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अयोध्या का विकास भव्यता, आस्था और आधुनिकता तीनों का समन्वित रूप होना चाहिए। महायोजना-2031 का लक्ष्य अयोध्या को सुनियोजित, सुव्यवस्थित और सस्टेनेबल डेवलपमेंट के साथ विश्व की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करना है। अयोध्या आज केवल एक शहर नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का प्रतीक है। इसे ऐसे विकसित किया जाए कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए आस्था, सौंदर्य और समृद्धि का संगम बने।

मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि विकास कार्यों में अयोध्या की सांस्कृतिक पहचान, धार्मिक गरिमा और पर्यावरणीय संतुलन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। अयोध्या विजन-2047 के अंतर्गत अयोध्या को ग्लोबल आध्यात्मिक नगरी, ज्ञान नगरी, उत्सव नगरी, तीर्थ अनुकूल अवसंरचना, विविधीकृत पर्यटन, ऐतिहासिक सर्किट व हेरिटेज वॉक, हरित एवं सौर ऊर्जा आधारित नगरी के रूप में आधुनिक सुविधाओं के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए। यह महायोजना अयोध्या के सुनियोजित, सुव्यवस्थित और सस्टेनेबल विकास की आधारशिला बनेगी।

बैठक में अवगत कराया गया कि अयोध्या महायोजना-2031 का उद्देश्य शहर को ग्लोबल स्पिरिचुअल एवं टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करना है। योजना के तहत अयोध्या विकास क्षेत्र को 18 जोनों में विभाजित कर संतुलित भूमि उपयोग सुनिश्चित किया गया है। प्रस्तावित 23.94 लाख की अनुमानित जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए 52.56 प्रतिशत भूमि आवासीय, 5.11 प्रतिशत वाणिज्यिक, 4.65 प्रतिशत औद्योगिक, 10.28 प्रतिशत सार्वजनिक उपयोग, 12.20 प्रतिशत परिवहन एवं 14.31 प्रतिशत हरित एवं खुले क्षेत्र के लिए नियोजित की गई है। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए कि मिश्रित तथा औद्योगिक भूमि को बढ़ाया जाए। इसी प्रकार, पंचकोसी और 14 कोसी परिक्रमा मार्ग पर भी विविध गतिविधियों के लिए भूमि आरक्षित की जाए।

बैठक में बताया गया कि वर्तमान में अयोध्या की जनसंख्या लगभग 11 लाख है, जो वर्ष 2031 तक लगभग 24 लाख और वर्ष 2047 तक 35 लाख तक पहुंचने का अनुमान है। इसे ध्यान में रखते हुए नए आवासीय टाउनशिप, भव्य प्रवेश द्वार, बहुस्तरीय पार्किंग, 84 कोसी परिक्रमा मार्ग, ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस मार्ग, रिंग रोड, एयरपोर्ट, टेम्पल म्यूजियम, सौर ऊर्जा संयंत्र, होटल व आधुनिक नागरिक सुविधाएं महायोजना का हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह सभी परियोजनाएं अयोध्या को स्मार्ट, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाएंगी।

अयोध्या विकास क्षेत्र में 159 निवेश परियोजनाएं स्वीकृत हैं, जिनमें 8 हजार 594 करोड़ रुपये का निवेश होने की संभावना है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इन परियोजनाओं से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुलेंगे और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अयोध्या का सड़क, रेल और वायु मार्ग से उत्कृष्ट सम्पर्क है। यातायात और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के आधुनिकीकरण से तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को विश्वस्तरीय सुविधा मिलेगी। आवश्यकता है कि लखनऊ, प्रयागराज, गोण्डा और अम्बेडकर नगर मार्ग की ओर बस और ट्रक अड्डों सहित पार्किंग का विकास किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने महायोजना अंतर्गत सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए भी भूमि आरक्षित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीवरेज ट्रीटमेंट और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए नवाचारों को बढ़ावा दें और यथासम्भव स्वदेशी मॉडल को अपनाया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अयोध्या का विकास न केवल धार्मिक, पर्यटन बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से भी प्रेरक उदाहरण बने। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर परियोजना पर्यावरणीय दृष्टि से सस्टेनेबल हो तथा सरयू जी के तटों और हरित पट्टियों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। हाल के समय में अयोध्या में हो रहे बहुमुखी विकास को देखते हुए अनियोजित प्लॉटिंग, बसावट भी देखने को मिल रही हैं। इसे रोका जाना चाहिए। जो कुछ भी हो योजना के अनुरूप और नियमों के अनुकूल होना चाहिए।

विगत साढ़े आठ वर्षों में उ0प्र0 में 42 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए, गोरखपुर व रायबरेली में एम्स सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं।प्रदेश में अनेक सुपर स्पेशियलिटी संस्थान स्थापित किए गए, इनकेमाध्यम से प्रदेश के नागरिकों कोबेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो रही हैं।

-- मुख्यमंत्री (26 अक्टूबर 2025)

कबीरदास की परम्परा में अनेक संत आज भी देश व दुनिया में अपने ज्ञान के माध्यम से समाज का मार्गदर्शन कर रहे : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 27 अक्टूबर, 2025 को जनपद लखीमपुर खीरी के कबीर धाम में विश्व कल्याण आश्रम में आयोजित स्मृति प्राकट्योत्सव मेला-2025 में मुख्य अतिथि के तौर पर सम्मिलित हुए। उन्होंने सद्गुरु कबीर पूज्य श्री असंगदेव जी धर्मशाला का भूमि पूजन किया। अपने संबोधन में उन्होंने मुस्तफाबाद का नाम बदलकर कबीरधाम करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा अयोध्या को फैजाबाद, प्रयागराज को इलाहाबाद और कबीरधाम को मुस्तफाबाद बनाया गया था। हमारी सरकार ने इन स्थलों की पहचान वापस लौटाने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि संत कबीर दास जी का स्मरण ऐसे संत के रूप में किया जाता है, जिन्होंने अपने दोहों, साखी व सबद के माध्यम से मध्यकाल में निर्गुण भक्ति की धारा प्रवाहित की। कबीरधाम से जुड़े संतों ने संत कबीरदास जी के विचारों को अपने जीवन में अपनाया है।कबीरदास जी के वाक्यांश आज भी जनमानस हेतु प्रासंगिक हैं।संत कबीर जैसे ब्रह्मज्ञानी संतों ने समाज में फैली तत्कालीन विसंगतियां पर अपनी वाणी के माध्यम से प्रहार किया। कबीरदास की परम्परा में अनेक संत आज भी देश व दुनिया में अपने ज्ञान के माध्यम से समाज का मार्गदर्शन कर रहे हैं। सामाजिक विभाजनों से उभरने के सम्बन्ध में गुरु रामानंद जी महाराज, संत कबीरदास जी महाराज, सतगुरु रविदास जी महाराज व अन्य पूज्य संतों ने समाज को एक नई दिशा दी। उनकी वाणी एक शाश्वत भाव के आधार पर आज भी प्रासंगिक है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि गोरखपुर से सटे मगहर के लिए प्राचीन मान्यता थी क़ि जिसकी मृत्यु मगहर में होती है, उसे नर्क मिलता है तथा काशी में स्वर्ग मिलता है। इसी मान्यता को तोड़ने के लिए काशी में जन्म लेने वाले संत कबीरदास मृत्यु के समय मगहर आ गए। आज मगहर में शांति व अमन है। यहां पर कबीरधाम है। कबीर पीठ और शोध केन्द्र की स्थापना डबल इंजन सरकार ने मगहर में की है, जिसका शिलान्यास स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया था। एक भव्य कार्यक्रम में तत्कालीन राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी के हाथों इसका लोकार्पण हुआ था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज भारत विकास की नई बुलन्दियों को छू रहा है। नया भारत विरासत पर गौरव की अनुभूति करता है और विकास के नितें नए प्रतिमान स्थापित करता जा रहा है। देश लगातार दुनिया के अन्दर एक ताकत के रूप में स्वयं को स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे अंदर सेवा भाव होना चाहिए। अपने माता-पिता की सेवा करनी चाहिए। समाज के प्रति समर्पण का भाव होना चाहिए। सभी समस्याओं का एक ही समाधान है कि हमें राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव रखना चाहिए। भारतीय मनीषियों ने कहा है कि 'माता भूमि पुत्रोऽहं पृथिव्या' अर्थात धरती हमारी माता है, उसके प्रति हमारे कुछ कर्तव्य भी हैं। जिस प्रकार माँ बच्चे की देखभाल करती है, उसी प्रकार धरती माता भी हम सबका पालन-पोषण करने व आगे बढ़ाने का कार्य करती है। भारत हमारे लिए केवल भूमि का टुकड़ा नहीं है, यह हमारे लिए मातृभूमि है। मातृभूमि के प्रति हमारे मन में समर्पण का भाव होना चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सीमावर्ती जनपद लखीमपुर खीरी में विकास की नयी धारा बह रही है। मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया गया है। सड़क कनेक्टिविटी की सुविधा बेहतर हुई है। एयरपोर्ट के विस्तारीकरण पर कार्य चल रहा है। इससे लखीमपुर खीरी एयर कनेक्टिविटी के साथ ही, ईको-टूरिज्म के बेहतरीन केन्द्र के रूप में विकसित हो सकेगा। जनपद में टूरिज्म की अपार सम्भावनाएँ हैं, इससे यहां के नौजवानों को रोजगार मिलेगा। गोला गोकर्णनाथ धाम और कबीरधाम जैसे धार्मिक स्थलों के पुनरुद्धार से आस्था और पर्यटन दोनों को बल मिल रहा है। यह समृद्धि जनपद की आने वाली पीढ़ी के जीवन को खुशहाल बनाने का कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री जी ने प्रदेशवासियों को छठ पर्व की बधाई देते हुए कहा कि लखीमपुर खीरी जनपद में बड़ी संख्या में पूर्वी उत्तर प्रदेश व बिहार के लोग रहते हैं। सभी लोग मिल-जुल कर पर्व मनाएँ।

सिख गुरुओं का भारत की सनातन परम्परा में योगदान अविस्मरणीय व अभिनन्दनीय : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 28 अक्टूबर, 2025 को पवित्र गुरु चरण (जोड़ा साहिब) यात्रा का स्वागत एवं उसमें प्रतिभाग करने के पश्चात यहां लखनऊ स्थित यहियागंज गुरुद्वारे में आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 'जित्थे जाहे बहे मेरा सतगुरु सो थान सुहावा रामराजे' अर्थात जहां गुरु महाराज के पावन चरण पड़ते हैं, वह स्थान राम राज्य की तरह पवित्र हो जाता है। हम सभी का सौभाग्य है कि आज गुरु चरण यात्रा के दौरान हमें साहिब श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज और माता साहिब कौर जी की पावन चरण पादुका का दर्शन करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। वर्ष 2025 में साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज के पावन शहीदी वर्ष के 350 साल भी पूर्ण हो रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जी ने पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका तथा यात्रा में सम्मिलित पंच प्यारे को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सिख गुरुओं का भारत की सनातन परम्परा में योगदान अविस्मरणीय व अभिनन्दनीय है। गुरु नानक देव जी महाराज से लेकर गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज और उनके साहिबजादों का बलिदान भारत के इतिहास को नई प्रेरणा प्रदान करता है। विगत 250 वर्षों से गुरु महाराज व गुरु साहिबा की पावन चरण पादुका को गुरु महाराज की जन्मस्थली पटना साहिब में स्थापित करने के लिए यात्रा दिल्ली से प्रारम्भ हुई। यात्रा के दौरान उत्साह का वातावरण रहा। प्रत्येक व्यक्ति अपनी इस विरासत पर गौरव की अनुभूति करते हुए इसके साथ जुड़ने के लिए उत्सुक है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सिख गुरुओं के त्याग और बलिदान की कथा वर्तमान व भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरणा प्रदान करती है। यहियागंज गुरुद्वारा हमारे लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है, क्योंकि गुरु तेग बहादुर जी महाराज और गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज की स्मृतियां इस गुरुद्वारे से जुड़ी हुई हैं।

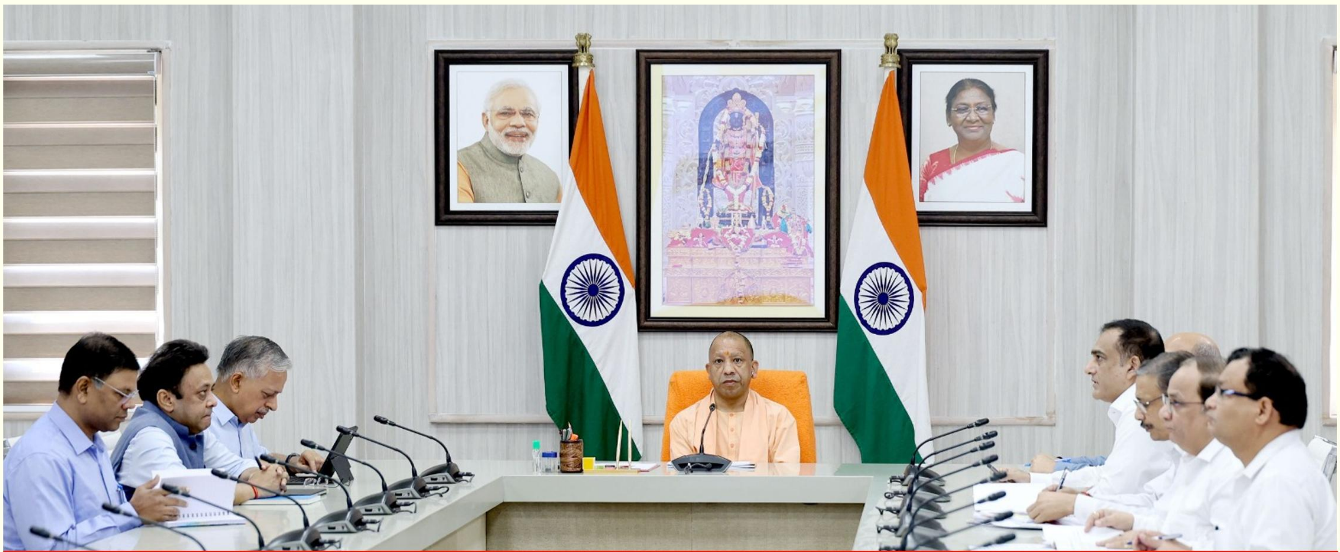

वर्तमान परिदृश्य में वित्तीय अधिकारों का पुनर्निर्धारण आवश्यक: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने 24 अक्टूबर, 2025 को यहां लखनऊ में एक उच्च स्तरीय बैठक में लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री जी ने लोक निर्माण विभाग के विभागीय अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में पाँच गुना तक की वृद्धि किए जाने का निर्णय लिया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में वित्तीय अधिकारों का पुनर्निर्धारण आवश्यक है। इससे निर्णय प्रक्रिया में तेजी आएगी और परियोजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध रूप से किया जा सकेगा। इस बदलाव से विभागीय अधिकारियों को निर्णय लेने में अधिक स्वायत्तता प्राप्त होगी। उच्च स्तर पर अनुमोदन की आवश्यकता कम होने से निविदा, अनुबन्ध गठन एवं कार्यारम्भ की प्रक्रिया में गति आएगी। यह सुधार वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाने में सहायक होगा।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के वित्तीय अधिकार वर्ष 1995 में निर्धारित किए गए थे। इस बीच निर्माण कार्यों की लागत में पाँच गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स के अनुसार वर्ष 1995 की तुलना में वर्ष 2025 तक लगभग 5.52 गुना वृद्धि दर्ज की गई है।

बैठक में मुख्यमंत्री जी को सिविल, विद्युत एवं यांत्रिक कार्यों के लिए वित्तीय अधिकारों की वर्तमान व्यवस्था से अवगत कराया गया। चर्चा के उपरान्त निर्णय लिया गया कि सिविल कार्यों के लिए अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों की सीमा अधिकतम पाँच गुना तक तथा विद्युत एवं यांत्रिक कार्यों के लिए कम से कम दो गुना तक बढ़ाई जाएगी।

मुख्यमंत्री जी के निर्णय के अनुसार मुख्य अभियन्ता को अब 02 करोड़ रुपये के स्थान पर 10 करोड़ रुपये तक के कार्यों की स्वीकृति का अधिकार होगा। अधीक्षण अभियन्ता को 01 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 05 करोड़ रुपये तक के कार्यों की स्वीकृति का अधिकार दिया जाएगा। अधिशासी अभियन्ता के वित्तीय अधिकार 40 लाख रुपये से बढ़ाकर 02 करोड़ रुपये तक किए जाएंगे। सीमित दायरे में टेण्डर स्वीकृति एवं छोटे कार्यों की अनुमति देने के सम्बन्ध में सहायक अभियन्ता के अधिकारों में वृद्धि की जाएगी। यह पुनर्निर्धारण तीन दशकों के बाद होने जा रहा है।

बैठक में उत्तर प्रदेश अभियन्ता सेवा (लोक निर्माण विभाग) (उच्चतर) नियमावली, 1990 में संशोधन के माध्यम से विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग की सेवा संरचना, पदोन्नति व्यवस्था तथा वेतनमान के पुनर्गठन से जुड़े प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि विभागीय अभियन्ताओं की सेवा संरचना को वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के उद्देश्य से नियमावली में यह संशोधन किया जा रहा है। प्रस्तावित संशोधन में विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में पहली बार मुख्य अभियन्ता (स्तर-एक) का नया पद सम्मिलित किया गया है। इसके साथ मुख्य अभियन्ता (स्तर-दो) और अधीक्षण अभियन्ता के पदों की संख्या में वृद्धि की गई है। नवसृजित पदों को नियमावली में समाहित करते हुए उनके पदोन्नति स्रोत, प्रक्रिया और वेतनमान को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, जिससे सेवा संरचना अधिक पारदर्शी और संगठित हो सके।

मुख्य अभियन्ता (स्तर-एक) के पद पर पदोन्नति अब मुख्य अभियन्ता (स्तर-दो) से वरिष्ठता के आधार पर की जाएगी। इसी प्रकार मुख्य अभियन्ता (स्तर-दो) और अधीक्षण अभियन्ता के पदों पर भी पदोन्नति की प्रक्रिया को नियमावली में स्पष्ट किया गया है। सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप अधिशासी अभियन्ता से लेकर मुख्य अभियन्ता (स्तर-एक) तक के पदों के वेतनमान और मैट्रिक्स पे लेवल भी निर्धारित किए गए हैं। इसके साथ चयन समिति की संरचना को अद्यतन किया गया है, ताकि पदोन्नति और नियुक्ति की कार्यवाही अधिक पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ की जा सके।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लोक निर्माण विभाग राज्य की विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में एक प्रमुख विभाग है। इसलिए अभियन्ताओं की सेवा नियमावली को समयानुकूल, व्यावहारिक और पारदर्शी बनाना अत्यन्त आवश्यक है। योग्यता, अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति व्यवस्था से विभाग की कार्यकुशलता, तकनीकी गुणवत्ता और सेवा भावना को नई दिशा प्राप्त होगी।

विशिष्ट मुलाकातें

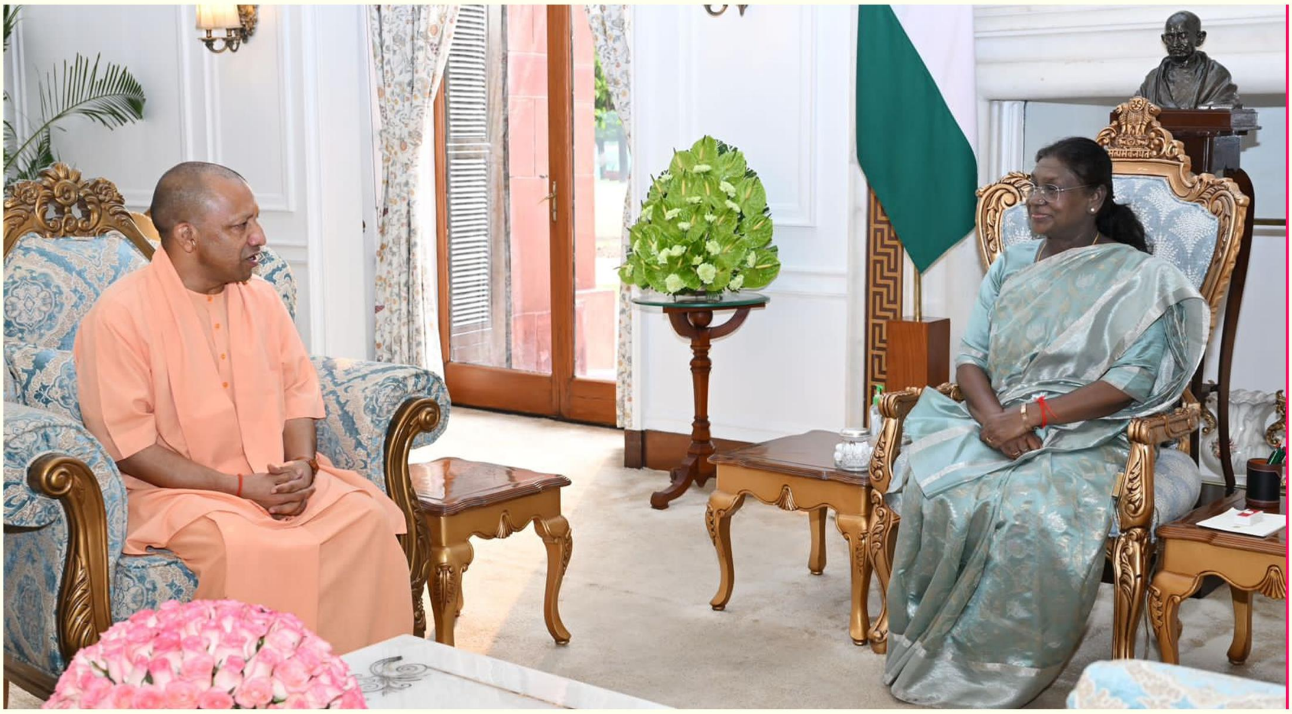

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से 25 अक्टूबर, 2025 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी।

भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी0पी0 राधाकृष्णन जी से 25 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी।

विशिष्ट मुलाकातें

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर 26 अक्टूबर 2025 को शिष्टाचार भेंट करते मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी।

केंद्रीय रासायनिक उर्वरक एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री जेपी नड्डा जी से नई दिल्ली स्थित उनके सरकारी आवास पर 26 अक्टूबर 2025 को शिष्टाचार भेंट करते मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी।

विशिष्ट मुलाकातें

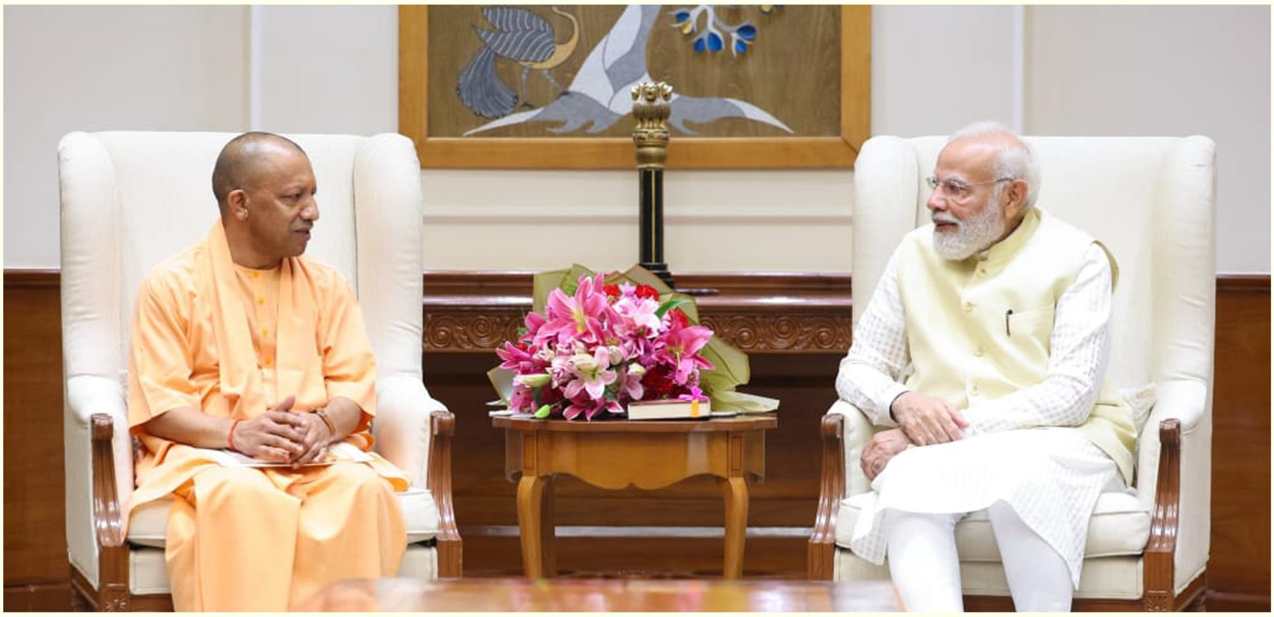

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से 25 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी।

सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए निदेशक श्री विशाल सिंह, आईएएस द्वारा प्रकाशित